लोक कल्याण संस्थान बायतु

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन वर्ष 2020-21

प्रस्तावना :-

हर वर्ष की भांति पिछले २३ वर्ष से लगातार कार्य करते हुवे कई प्रकार की अवधारणाएं, परिस्तिथिया, अवसर, संकट आये केशी भी परिस्तिथि रही हो हमने एक संकल्प जो प्रारम्भ में लिया था की हर वर्ष हमारे द्वारा किये गए छोटे से प्रयास को कलमबद्ध करके सभी के सामने पारदर्शी रूप से रखा जाये, और वो लगातार चल रहा हे, इस वर्ष भी आज में संस्था सचिव भंवरलाल आप सभी के सामने हमारे इस वर्ष किये गए छोटे छोटे कार्यो की एक प्रस्तुति रख रहा हु कुछ कमी रह जाये, छूट जाये तो क्षमा प्राथी होने के साथ ही आप सभी से सुझाव भी आमंत्रित करुगा ताकि भविष्य में वेशी कमी नहीं रहे और कोई महत्वपूर्ण बिंदु होगा जिसको जोड़कर दिखाना था तो उसको हमरे अगले अंक में शामिल किया जा सकेगा ! आपका हर सुझाव हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा !

संस्था के बारे में –

लोक कल्याण संस्थान एक गैर सरकारी, अलाभकारी, गैरराजनैतिक संघटन हे जिसकी स्थापना स्थानीय युवक भंवरलाल चौधरी जो की उस समय क्राई फेलो थे द्वारा अन्य समान समझ व् रूचि रखने वाले लोगो को साथ लेकर स्थापना की गई व् तत्प्श्चात विभिन सरकारी, देशी विदेशी दता संस्थाओ, दानदाताओ, कम्पनियो के सार्वजनिक जिमेवारी वित् व् सामान्य जनसहयोग के वित्तीय मदद व् कई प्रकार के देशी संघटनो के साथ प्रसिक्षण, लेखन, रणनीतिक सहयोग द्वारा स्थानीय लोगो के जीवन को आसान बनाने के छोटे छोटे प्रयास अनवरत रूप से करते आये हे !

मिशन

लोगो का आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक व् राजनैतिक सशक्तिकरण करना ताकि वो स्वावलंबी बनकर अपने हक व् अधिकारों की प्राप्ति के प्रयास वो स्वय कर सके व् अन्य छोटे छोटे सहयोग करना ताकि वो अपने जीवन को आसान बना सके !

हमारे मूल्य

लोक कल्याण संस्थान एक संगठन के मांस और रक्त के रूप में मूल्य को मान्यता देता है। संगठन खुद को एक मूल्यवान संगठन के रूप में बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्पित है, जिसे सामाजिक कारणों को संबोधित करने के लिए स्थापित किया गया था और अपने लोगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन लोकतंत्र, पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण को अपने बढ़े हुए मूल्यों के रूप में पहचानता है। ये मूल्य संस्थान परिवार की नींव हैं और यह इस नैतिक आधार पर खुद को विकसित किया है। जंहा की विशेष योग्यजन, दलित, महिला व् बच्चो को असली हक़दारी सर्वोत्तम प्राथमिकता व् अनिवार्य हे !

अ. आजिविका विकास **लोक कल्याण संस्थान की प्रारम्भ से ही आजीविका के कॉन्सेप्ट पर स्पष्ट रणनीति रही हे की एक तरफ जंहा परिवार में आय संवर्धन हो, आजीविका के स्त्रोत बढे वंही पर दूसरी तरफ खर्च में बचत हो, बचत का तातपर्य यंहा पर मितव्यवता व् फालतू क खर्चो पर रोक से हे न की आवस्यक्ता में कटौती से! ऐसे में स्थानीय रेगिस्तानी क्षेत्र में जंहा की कोई स्थाई बड़ा गारंटेड स्त्रोत नहीं हो वंहा पर मिश्रित छोटे छोटे आजीविका के उपाय की परम्परा रही हो को बढ़ाना अति आवश्यक होता हे ! जैसे की घर का युवा कमाऊ को मजदूरी हेतु पलायन करना पड़ता हो, वंहा पर कमाए ठीक हो, साथ में आसान व् परिस्तिथिया ठीक हो वंही पर घर के बाकि लोग कृषि, पशुपालन, वन उत्पाद, महानरेगा, अन्य कोई सरकारी योजना आदि किसी प्रकार से कुछ आय की व्यवस्था कर सके वंही दूसरी और पानी, नशा, स्वस्थ्य या जानकारी के आभाव में जो खर्च हो रहे हे उनमे कटौती करके परिवार में एक होलिस्टिक आय संवर्धन कर पालन पोषण आसान जीवन जीने के दशाओ में सहयोग हो सके**

उसी रणनीति के तहत स्नास्थान द्वारा निम्न प्रयास किये गए

1. प्रवासी मजदूर कार्यकम **लोक कल्याण संस्थान को जमशेदजी टाटा ट्रस्ट मुंबई एवं आजीविका ब्यूरो उदयपुर के साथ मिलकर परवशी श्रमिकों के मुद्दे पर कार्य करते हुवे १२ वर्ष हो गए हे जिसमे ट्रस्ट लो और से २००७ से २०१६ तक वित्तीय सहयोग भी रहा को हम अभी अपने स्थानीय सहयोग व् कुछ पेड वर्क द्वारा उन मजदूरों के द्वारा जन सहयोग से अभी भी कार्य कर रहे हे ! इस कार्यक्रम के तहत परवश पर बहार मजदूरी को जाने वाले युवाओ का पंजीयन करना, राजस्थान सरकार द्वारा प्रदत श्रमिक पहचान पत्र जारी करना, श्रमिको को डेस्टिनेशन की जानकारी उपलब्ध करवाना डेस्टिनेशन वर समूह बनाकर श्रमिकों को आपस में जोड़ना, उनको वित्तीय व् बिमा संबंधित शिक्षण देना, कौशल विकास कर बेहतर श्रम अवसरों से जुड़ाव करना आदि कार्य किये जा रहे हे पिछले एक वर्ष में निम्न कार्य आंकड़ों के हिसाब से किया गए**

गतिविधि	परिचय पत्र	वितिय साक्षरता	कानुनी साक्षरता	कोशल विकास	संघटन निर्माण	बीमा सेवा जुडाव	कोरोना टीका हेल्प	सरकारी पेशन जुडाव	पंजी यन	पैरवी
नियोजन	1200	500	500	200	10	500	00	200	1200	1000
आउटकम	1105	244	250	250	05	612	491	205	1553	066

2- कौशल विकास कार्यक्रम. **बायतु क्षेत्र से मजदूरी को जाने वालो का एक बहुत बड़ा आंकड़ा हे , मगर सबसे बड़ी बात जो हे की अधिकांश श्रमिक ऐसे कार्यो में लगे हुवे हे जिसमे की कोई स्किल नहीं होती, जबकि कुछ हाथ का कौशल शेख जाने से एक तो स्थानीय स्तर पर कार्यो की उपलब्धता के अवसर बढ़ जाते हे वंही बहार जाने पर कुछ आसान कार्यो की उपलब्धता के साथ साथ कुछ कमाए की राशि भी बढ़ जाती हे! सरकार एक तरफ काफी कोशिश कर रही हे साथ में कई और संघटन भी ऐश कार्य में लगे हे फिर भी बहुत और कुछ करने की जरुरत हे! लोक कल्याण संस्थान ने एक तरफ जंहा विभिन अवसरों तक युवाओ की पहुंच बने वंही कुछ स्वय के पर्यासो से भी हमने अलग अलग ट्रेड में कौशल विकास के प्रयास किये ! ट्रेड के चयन में संस्था का एक बहुत अच्छा तरीका रहा हे जिसमे ह, लोग नीड बेस अध्ययन के आधार पर ट्रेड का चयन करते हे ताकि कौशल विकास के बाद में युवाओ को स्थानीय स्तर पर अच्छे अवसर मिल जाये और उनको तुलनात्मक अच्छा वेतन/पगार भी मिल सके !**

कोशल विषय	बिजली कार्य	लोहा बैल्डिग	कलर कार्य	सिमेन्ट कारीगर	लकडी कार्य	पत्थर कार्य
संख्या	40	40	20	60	50	50

3. पानी प्रबन्धन कार्यक्रम

पानी की विश्वभर में सीमितता तो हे मगर पश्चिम राजस्थान में पानी की महत्तता जानने के लिए तो यंहा का निवासी ही होना पड़ेगा, एक तरफ पानी की बहुत ही ज्यादा सीमितता हे वही सिमित स्त्रोत को शो प्रबंधन द्वारा थोड़ा बहुत मैनेज किया जाये तो सोने पे सुहागा, हम पिने के पानी को सही प्रबंधन द्वारा इस समस्या से कुछ रहत प् सकते हे ! यंहा के लोगो का पेयजल का मुख्य स्त्रोत बरसात हे, वर्ष भर बरसात के पानी को टांको में सहेज क्र पूरा साल उसी पानी को पिने हेतु बचा कर रखने की एक गहरी परम्परा रही हे और उसी परम्परा के परिणामस्वरूप आज हम जिन्दा हे, बारिश के पानी को सहेज कर पिने हेतु, तालाब के पानी को सहेज कर पशुओ हेतु, बर्तन धोने के बाद उसी पानी से पशुओ को पिलाना, कुवे के पानी से स्नान व् कपड़े धोना, खरे भूजल से सब्जी व् भोजन बनाना ताकि उसमे नमक न डालना पड़े जैसी परम्पराये रही हो उस क्षेत्र में जल प्रबंधन एक महत्वपूर्ण घातक हे जिन्दा रहने हेतु ! "राजस्थान की रजत बुँदे" नामक पुस्तक में गाँधी पीस फाउंडेशन के श्री अनुपम मिश्र जी ने तो यंहा तक लिखा हे की "रेगिस्तान में जीवन जीने की दर्शाये ठीक नहीं होने के बावजूद लोगो ने जीवन जीना सिख लिया" यंहा पर जीवन जीना सीख लिया का तातपर्य जल प्रबंधन से हे मुख्य रूप से !

अभी कंही दूर नहर से व् कंही दूर स्तिथ बांध से सरकार द्वारा पिने के पानी की सप्लाई की जाने की शुरुआत हुई हे उसमे मुख्य रूप से जरुरत अनुसार वितरण व् पानी के दुरूपयोग को रोकना सबसे महत्वपूण बिंदु होता हे ! सरकार के जल स्वस्थ्य अभियांत्रिक मंत्रालय द्वारा ऐसी योजनाए बनाए गई हे जिसमे की पानी की सप्लाई मिल सके ! संस्थान ने इस प्रकार बनाए जा रही योजनाओ में जन सहभागिता बढ़ाने व् जल प्रबंधन कमेटोयो के गठन की जिमेवारी मिली जिसके अनुसार - ग्राम जल कमेटियों का गठन, पंचायत लेवल पर जल स्वस्थ कमेटियों का गठन, नजरि नकशा बनाकर सभी घरो तक पाइपलाइन से पहुंच बनाने, एक निर्धारित शुल्क अनुसार राशि एकत्रित करने, सार्वजानिक पोईत की जगह तय करने, तकनीकी टीम की मदद करने व् ग्राम स्तर पर पानी के प्रति व् विशेष रूप से सही वितरण व् पहुंच बनाने के लिए वातावरण निर्माण का कार्य किया गया

4. खेती किसानी बागवानी कार्यक्रम

पश्चिम राजस्थान में कृषि पूर्णतया मानसून पर निर्भर हे, इतिहास गवाह हे की रेगिस्तानी क्षेत्र में केवल फसल के भरोसे जीवन यापन नहीं किया जा सकता, तब लोगो ने हमेशा के लिए आजीविका के अन्य स्त्रोत को भी साइड बय साइड जिन्दा रखा जैसे की पशुपालन, वन उपज, मजदूरी व् पलायन करके मजदूरी करना ! धीरे धीरे ये गैर परम्परागत कार्य इतने बढ़ने लगे की खेती में सम्भावनाये लगातार घटती गई व् लोगो का रुझान लगभग खेती से हटने लगा ऐसे में खेती की प्रक्टिस में कुछ भी नवाचार व् वैज्ञानिक पद्धति का समावेश न के बराबर रहने लगा !

ऐसी परिस्तिथि में यह नितांत जरुरी हो गया के नए अविष्कार , वैज्ञानिक जानकारी का समावेश करके किस प्रकार खेती को लाभकारी बनायीं जा सके !

लोक कल्याण संस्थान का यंहा के किसानो के साथ शुरुआत से ही बहुत गहरा संबंध रहा हे व् यह एक नितांत आवश्य्क हो गया की खेती किशनी व् बागवानी को लाभकारी बनाने के सरंक्षण पहल व् संवर्धन हेतु स्थानीय लोगो के साथ मिलकर प्रयास किये जाये !

बीजो उपचार - क्षेत्र के 20 **गाँवो में** 200 **किशानो के बीज का ऑन स्पॉट बीजोपचार किया गया**, **बीज उपचार के फायदे समझाये**, **विधि के प्रदर्शन किया व् बाद में फसल में क्या लाभ मिला तब जाकर किशन इसको अपनाने लगे** !

भण्डारण - **तैयार फसल को कैसे वर्ष भर रखा जाये इसके लिए कजरी के द्वारा विकसित मोडल के डेमोस्ट्रेशन किया गया व् किशानो के अपने पैसे से भंडार टंकिया खरीदने हेतु तैयार किया** , **इसमें** 50 **किसान तैयार हुवे अब उनका उत्पाद मौसम** , **दीमक व् अन्य बीमारियों में भी ख़राब नहीं होता** , **धीरे धीरे अन्य परिवारों का भी रुझान बढ़ रहा हे** !

नवीन बीज वितरण- काजरी द्वारा क्षेत्र की परिस्तिथियों के ा ंयसार विकसित बीज को स्थानीय किशानो तक पहुंचने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया, **संस्थान ने अपने स्त्रोत से बीज खरीद कर बारिश में बुवाई के समय लोगो को लगत मूल्य पर मोथ ४००** kg **बाजरा ६००** kg **ग्वार २००** kg **टिल ६०** kg **मुंग ५०** kg **का वितरण जुलाई प्रथम सप्ताह में किया गया जिसका लोगो ने बुवाई में काम लिया**, **अब जब अच्छे परिणाम मिले तो अगले वर्ष अपने आप डिमांड बढ़ जायेगा। इसी प्रकार कृषि विभाग बाड़मेर के बायतु ब्लॉक के पर्यवेक्षक के साथ मिलकर जरुरत मंद किशानो को भी वितरण कराया गया**, **कुल** 340 **किसान परिवारों को बीज उपलब्ध कराने का कार्य अमल में लाया गया** !

फसल बीमा - **सरकार द्वारा फसल बीमा कम्पनी के साथ अनुबंध का फायदा लोगो तक पहुंच बनाने के लिए हमने पांच गावो में कैंप करके जागरूकता का कार्य किया जिससे की ७५ लोगो में फसल बीमा करवाया उनको फसल नस्ट होने पर बीमा क्लेम भी सरकारी पालिसी अनुसार मिला अब वो अपने स्तर पर हर वर्ष बीमा करवाने लगे हे** !

किसान क्रेडिट कार्ड - **उपरोक्त सभी किसान भाइयो का किसान क्रेडिट कार्ड भी बनाने में हमने अपने स्तर पर फेसिलिटेशन के कार्य किया जिनको की कम ब्याज पर ऋण** , **फसल बीमा के साथ साथ दुर्घटना बीमा का भी लाभ प्राप्त हो सका** !

हॉर्टिकल्चर प्रक्टिस - **संस्थान द्वारा किसानो की निरनन्तर आय बानी रह सकने हेतु फलदार पोधो की खेती हेतु लोगो में जागरूकता ले जा रही हे हालाँकि अभी तक कोई विशेष उपलब्धि हमे प्र्प्त नहीं हुई मगर धीरे धीरे आशा बन रही हे** , **इसके लिए हमने किसानो को अलग अलग फलदार पोधो के २-२ सेंपल लगाने के लिए कहा हे व् पौधे उपलब्ध कराये गए हे** , **हमारी रणनीति यह हे की जब किसान २-२ पौधे लगाकर सुनिश्चित हो जायेगा की ये पौधे यंहा हो सकते हे तब वो इन पोधो की संख्या बढ़ाने को मानसिक रूप से टायर होगा**, **इसलिए हमने गुंडा**, **निम्बू**, **अंजीर**, **बेर**, **आंवले व् पपीते के पोधो**, **प्रत्येक फल के १००-१०० पौधे ३०० परिवारों को**

वितरित किये हे, लोगो ने रोपण भी किया हे , परिणाम 4 साल बाद से आएंगे तब तक हम इस मुहीम को जारी रखेंगे !

रखवाली - किसानो के फसल को आवारा व् जंगली पशु बहुत नुकसान पहुंचते हे ऐसे में पशुओ से खास कर नीलगांय , आवारा सांड, ऊंट, सूअर आदि बहुत नुकसान करते हे ऐसे में ग्रुप बनाकर खेत के चारो तरफ तारबंदी के प्रयास किये गए जो की बहुत कारगर साबित हुवे हमने केवल 10 समूह को सहयोग किया बाकि लोगो ने जगरूक होकर स्वय इसको अपनाया अब लगभग 70 प्रतिशत लोगो ने बरषत में फसल के समय तारबंदी अपनाना प्रारम्भ कर दिया हे !

औषधीय पौधे- रेगिस्तानी क्षेत्र में कई प्रकार की जड़ी बूटी खरपतवार की तरह उग जाती हे , जिसको की अमूमन लोग काट कर जला देते थे या यही नस्ट होती थी, जिसमे- आक, फोग, काँटी, तुम्बा, गोखरू, शंखपुष्पी, नीम, जल, सोनिया, व् सटा आदि महत्वपूर्ण हे इन उत्पादों को पशुओ को खिलाना या हटा देना ही होता था , हमने लोगो को इस बाबत जागरूक किया हे की इन सब का मूलयवान मेडिसिन बनाए जा सकती हे, इस प्रकार से कटा क्र संगर करना सिखाया जिससे की इसका मेडिसिन मूल्य बना रहे और फिर मार्किट तक पहुंच बनाए जाये, लोग थोड़ा बहुत अडॉप करने लगे हे, अभी इस बाबत बहुत कुछ किया जाना सेष हे , हमने संस्था के स्तर पर एक प्रोजेक्ट भी बनाया हे ताकि इस बहुमूल्य औषधीय पोंधो का व्यापर करके लोगो की आजीविका का संवर्धन किया जा सके व् इतनी गुणवान ओषधि लोगो तक पहुछ सके !

पैरवी कार्यक्रम

१- सरकारी योजनाओ से जुड़ाव - क्षेत्र में दुरी, अवेर्नेस चेतना व् जानकारी के आभाव में सर्कार द्वारा संचालित कुछ अच्छी योजनाए होने के बावजूद लोगो की पहुंच नहीं बन पति और वो वंचित रह जाते हे, कुछ कम योग्यताधारी भी जानकारी होने से लाभ ले लेते हे मगर कुछ लोग वास्तविक जरुरत होने के बावजूद लाभ नहीं ले पाते

ऐसे में 10 ग्राम पंचायतो में पंचायत बैठक, योजना, जरुरी कागजद आदि की जानकारी, पंचायत में एप्लीकेशन जमा करवाने से लक्सर उनको फायदा मिलने तक पूरी सुचना व् सहयोग का कार्यक्रम सनाथा द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा हे जिसके तहत १० ग्राम पंचायत में ८५५ लोगो को इस वर्ष लाभान्वित करने में सहयोग किया गया

२- कोविड-19 रिलीफ कार्यक्रम - अप्रत्यशित प्रकोप के चलते पूरा मानव जीवन ठप सा हो गया , सरकार द्वारा भी किया जा रहे प्रयाप्त नहीं हो प् रहे थे, लोग कुछ कर सकने की स्तिथि में नहीं थे, ऐसे में हमारे पास भी कोई ठोस रणनीति व् संशाधन नहीं थे, न ही कोई योग्यता उस बाबत थी, बावजूद इन सबके हमने बायतु पर कोविड केंद्र पर लोगो के जुड़ाव हेतु प्रयास, बहार से आने व् जाने वालो को कॉउंसलिंग व् बहुत भेटेर के क्षेत्र में बस्तियों में कुछ सिम्टम बेस मेडिसिन का आभाव हो गया था, इस प्रकार के सिचुएशन में कुछ दवाइयों को लोगो तक पहुंचने में मददकी, कुछ लोग जो खरीद पाने की स्तिथि में जो नहीं थे या जिनकी दुकान तक पहुंच नहीं

थी, इस प्रकार हमने 5 **लाख रूपये की देवी खरीद कर गाँवो में** 2000 **लोगो तक पहुंचने का कार्य किया, साथ ही साफ सफाई, सेनेटीजेर, साबुन, मास्क व् दवाइया बायतु स्टेशन, कैंप व् आसपास के** 20 **गाँवो तक हर संभव मदद करके सहयोग किया गया !**

कोविड -19 जागरूकता का कार्य - कोरोना में बचाव ही उपाय था, व् सरकारी गाइडलिने प्रोटोकॉल का बावजूद लोग इसको हंजीदा नहीं ले रहे थे, खास कर डिस्टेंस मेंटेन, क्वारंटीने, साफ सफाई, मास्क का प्रयो। घर को व्आ अन्य जगहों को सेनेटीजेर करना आदि प्रमुख रूप से जरुरी कदम थे मगर लोग संजीदा नहो रहे थे उसके मुख करना थे, जानकारी का अभव, मजबूरी, लापरवाही तब ऐसे में जानकारी देने, मज़बूरी में श्योद सुझाव व् अलटरनेट की पहुंच बनाने व् लापरवाही में समझेस का कार्य ही किया जा सकता था, मगर लोगो की गेदरिंग संभव नहीं थी तब हमने फ़ोन द्वारा, डिस्टेंस मेंटेन करते हुवे आदि तरीको का इजाद किया व् उसके द्वारा कोविद में जान बचने के पर्यासो में एक संभव प्रयास की कोसिस की गई , इस प्रकार हमने 5200 **लोगो तक बात व् मदद बनाने में सफलता हासिल की !**

हर घर जल योजना / जल जीवन मिशन - पाली जिले के रानी ब्लॉक में एल एन्ड टी कम्पनी व् राजस्थान सरकार के सार्वजनिक जल अभियांत्रिक विभाग के सहयोग से जल जीवन मिशन व् हर घर जल योजना जावै क्लस्टर iv **के तहत घर घर नल कनेक्शन का कार्य शुरू हुवा तब हमे २६ गाँवो में ग्राम जल स्वछता कमेटियों के गठन, कमेटियों का पर्शिक्षण, हर घर का एक्टिव पार्टीसपासन, महिलाओ की भागीदारी, आदि जुटाकर - कमेटियों द्वारा व् उनको फैसिलिटेट कर गांव का पलना तैयार करना, जिसमे कान्हा पर टैंक, सार्वजनिक सुविधा आदि का निर्माण हो, हर घर से राशि एकत्रित करना, मासिक बिल के लिए, उस राशि को बैंक में कमेटी का खता खुलवाकर जमा करवाना,** phed **को चेक द्वारा भुगतान करना, नजरि नकशा बना, गांव में सुपरविसर का चयन करना, उसका पर्शिक्षण करना, स्कूलों व् सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता बैठके, नैरा लेखन करना आदि प्रुरे कार्य की जबाब देहि दी गई, उसका पूर्ण रूप से निर्वाह किया गया, इस टास्क को गुणात्मक स संख्यात्मक रूप से सभी कार्यो को पूरा किया, इस बाबत रानी ब्लॉक के सोमेशर गांव में संस्था का एक सेण्टर की स्थापना की, जो की एक पर्शिक्षण केंद्र के रूप में ख्याति हासिल की , इस काम को अगले वर्ष भी जारी रखा जायेगा !**

कमेटी गठन	प्रशिक्षण	नजरी नक्शा	बैंक खाता	स्कूल अभीमुखीकरण	राशी संग्रहण	पंचायत प्रशिक्षण	नारा लेखन
26	**26**	**22**	**18**	**31**	**1156300**	**07**	**78**

वेस्ट वुड पर्शिक्षण - पश्चिम राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में जंहा आजीविका के संशाधनो की बहुत कमी हे वंही पर इसमें विभिन्ता बहुत हे, जब खेती व् पशुपालन में आजीविका की गारंटी नहीं रही तब लोगो ने अपने तीसरे व् चौथे व् पांचवे तरिके भी डेवेलोप करके उसमे अच्छी योग्यता हासिल की, उसी मेसे एक हे लकड़ी का कार्य, मगर जब लकड़ी का कार्य करते हे तो

साथ में लकड़ी में से काफी हिस्सा वेस्टेज के रूप में चला जाता हे , इस वेस्टेज को अभी तक केवल जलने के लिए ही काम में लिया जा रहा था , उसी को ध्यान में रखते हुवे हमने कुल १२ समूह २०-२० लोगो के बनाये व् इनके पर्शिक्षण व् टूलकिट हेतु खादी ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के साथ एप्लीकेशन किया हे, इनको टूलकिट की राशि में से १० प्रतिशत हिस्सा राशि (जो BPL नहीं हे उनसे केवल) ३६००० रूपये पार्प्त करके खादी आयोग में जमा करवा दिए हे इनका अगले वित्तीय वर्ष में पर्शिक्षण नियोजित हे ! मगर इस संबंध में लाभार्थी चयन, समूह निर्माण, राशि कलेक्शन व् तमाम पूर्व तेयारिया कर ली गई हे !

लोक कल्याण संस्थान के लीगल दायित्व

संस्थान के क़ानूनी अधिकार व् दायित्व पंजीयन व् समय समय पर उनके नवीनिकरण की स्तिथि निम्न प्रकार से हे !

क्रस	पंजीयन		विवरण
1	Registered Name		Lok Kalyan Sansthan
2	Abbreviated Form		LKS
3	Soc Registration No-		03/BMR/1998
4	Address		Lok Kalyan Sansthan, near Govt Hospital, bypass Road, Baytu. Vpo- Baytu, Dist Barmer Raj. 344034
5	Mob, Phone & Fax Nos-		9636021500, 02982241521, 31
6	Web Site		Http://www.lks.net.in
7	E-Mail ID		lksbaitu@Rediffmail.com , lksbaitu@Outlook.com
8	Organizational Secretary and principal chief functionary & Mail ID		Bhanwarlal Choudhary, Mob 9414532829 Blcbaitu@Gmail.com
9	12A registration & Renavel		12A/2003-04/907
10	80G Reg Nos & Renavel		48/49- 29/03/04 Ren AAAAL1108R/08/15-16/S-0010/80G
11	TAN Registration Nos		JDHL00860G
12	PAN Reg Nos		AAAAL1108R
13	GST Registration Nos		08AAAAL1108R2Z5
14	FCRA Reg No & Renavel		125450010 (Ren. & Valid Up to 2022)
15	NITY Aayog/ DARAPAN ID & Date		RJ/2017/0181170
16	Rajasthan Govt CSR Portal Reg.		LOKKALYAN
17	ISO Certification		Yes
18	SSO ID Rajasthan Govt Portal		lokkalyan@raj.gov.in
19	Reg In NASSCOM		YES
20	National Network membership		LAM- Lok Adhikar Munch
21	Audit Report Publication		Yes, Every Year